International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

👇👇👇कोविड-19 महामारी का पर्यावरण एवं पर्यटन उद्योग पर प्रभाव विशेष 👇👇👇

महेश कुमार

आर. के. पी.जी. महाविद्यालय बिसाऊ

सारांश :- पर्यटन वर्तमान में न केवल मनोरंजन व ज्ञानअर्जन का साधन मात्र रह गया है। बल्कि यह धुआ वहिन उद्योग के रूप में उभरकर सामने आया है प्राचीनकालसे ही पर्यटन यात्रा भ्रमण व तीर्थाटन आदिके रूप भारतीय संस्कृति का महत्वपूर्ण हिस्सा बना हुआ है। क्योंकि यह देश अपने में विविधताओं से भरा हुआ है। इसी कारण पर्यटन उद्योग को विकसित करने के लिए विभिनन संस्थाओं द्वारा महत्वपूर्ण प्रयास किए गए है। जिसके तहत अनेक प्रकार के पर्यटक आकर्षण केन्द्रों का निर्माण तथा पर्यटकों को पर्यटन के दौरान प्रत्येक प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध करवाना प्रमुख है हमारा देश आजादी से पूर्व तक पर्यटन क्षेत्र में पिछड़ा रहा है। जिसका प्रमुख कारण नीति निर्माताओंद्वारा पर्यटन उद्योग के प्रति नम रवैया रहा है लेकिन पिछले कुछ समय में हमारे देश ने इस उद्योग में महत्वपूर्ण उन्नति की है।

भारत में पर्यटन उद्योग की शुरूआत भले ही 1945 में सार्जेंट कमेटी के गठन से हुई हो लेकिन इस का वास्तविक विकास पिछले कुछ दशकों से हुआ है। जब विश्व के बदलते हुए परिवेश में पर्यटन उद्योग का महत्व बढा है। विश्व मानचित्र पर प्रकाश डालने से यह पता चलता है कि 19वीं शताब्दी में आर्थिक साधन के रूप में पर्यटन का महत्व बढता ही जा रहा है। आर्थिक

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

साधन के रूप में सर्वप्रथम पर्यटन को औद्योगिक आधार 19वीं शताब्दी में स्विट्जरलैंड एवं फ्रांस ने प्रदान कर विकसित किया जिसका वास्तविक विकास एशियायी व अफ्रीकी देशों से उपनिवेशवाद की समाप्ति व यातायात विकसित हो जाने से हुआ है समय के साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय व अंतर्देशीय दोनों प्रकार के पर्यटन तीव्र गति से विकसित हो रहा है

पर्यटन शब्द अंग्रेजी के टुअर"TOUR" का पर्यायवाची है टुअर शब्द की उत्पत्ति लेटिन भाषा के टारनोस"TARNOS" शब्द से हुई है। टारनोस एक ऐसा औजार है जिसे खरीद कर अपने घूमते पहिएपर लगाकर भ्रमण करता है।

फ्रेंच भाषा में टारनोस यात्रा का बोध करवाता है।

संस्कृत साहित्य में पर्यटन के लिए 3 शब्दों का प्रयोग किया जाता रहा है

प्रथम-परि+अटन अर्थात सोद्देश्य भ्रमण करना परायटन जिसका अर्थ ज्ञान तथा आनंद के लिए बाहर जाना होता है।

द्वितीय- देशाटन जिसका अर्थ है आर्थिक लाभ के लिए यात्रा करना

तृतीय - तीर्थाटन जिसका तात्पर्य है धार्मिक संदर्भ में आस्था भाव से की गई यात्रा

ऑक्सफोर्ड इंग्लिश डिक्शनरी में 19वीं शताब्दी के प्रारंभ में पर्यटन शब्द का अर्थ पर्यटक के व्यवहार से व्यक्त किया है 1942 में सर्वप्रथम पर्यटन की वैज्ञानिक एवं तकनीकी परिभाषा प्रोफेसर हुन्जिकर तथा क्रॉफ ने दी कि पर्यटन एक ऐसी घटना व संबंधों का समिश्रण है जो किसी

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

स्थान पर अनिवासियों की यात्रा और उसके वहां ठहरने से उत्पन्न होता है जिसके अंतर्गत व्यक्ति उस स्थान पर ने तो स्थाई रूप से बसता है और ना ही धन कमाने के लिए कोई कार्य करता है

शब्द कुंजी –पर्यटन, विदेशी मुद्रा अर्जुन, ग्लोबल मीडिया, आधुनिकीकरण, पर्यटन प्रतिस्प्रधा, जैव विविधता,COVID-19, इको टुरिज्म आपदा

परिचय - भारत अनेकता में एकता वाला देश है इस भूमि पर अनेक धर्मों का उद्भव हुआ है जैसे हिंदू सिख बहुत जैन

भारतीय भूमि विभिन्न सभ्यताओं एवं संस्कृतियों की संगम स्थली है क्योंकि भौतिक दृष्टि से यह उपमहाद्वीप की विशेषता रखता है इसलिए हमारे देश की जलवायु में बहुत विभिनता है।

इसके उत्तर में हिमसे आच्छादित हिमालय पर्वत, पूर्व में अराकानयोमा व पेगुयोमा पर्वत, पश्चिम में हिंदूकुश पर्वत स्थितहैतथा दक्षिण में तीनों और समुद्रअवस्थित है।

इस प्रदेश की अक्षांश स्थिति $8^0 4'$ उत्तरी अक्षांश से $37^0 6'$ उत्तरी अक्षांश के मध्य तथा देशांतरीय विस्तार $68^0 7'$ पूर्वी देशांतर से $97^0 25'$ पूर्वी देशांतर के मध्य स्थित है कर्क रेखा इस देश के मध्य से होकर गुजरती है।

इस कारण से इस कर्क रेखा का उत्तरी भाग शीतोष्ण कटिबंध तथा दक्षिणी भाग उष्ण कटिबंध में स्थित है इसके बावजूद भी यहां पर विभिन्न प्रकार की जलवायु तथा भौतिक स्वरूप पाए जाते हैं इसके उत्तर में विश्व का सबसे नवीनतम वलित हिमालय पर्वत जो हिम के घर के रूप

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

में विश्व के महत्वपूर्ण पर्यटक स्थलों में स्थान रखता है हिमालय के दक्षिण में विश्व का सबसे उपजाऊ मैदान जिसका निर्माण गंगा जैसी पवित्र नदियों द्वारा हुआ है जो धार्मिक दृष्टि से भारत के पर्यटकों को आकर्षित करती है।गंगा के मैदान के पश्चिम में थार का मरुस्थल एवं अरावली पर्वत श्रंखला अवस्थित है जो ऐतिहासिक व सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है

इन सब के दक्षिण में प्रायद्वीपीय पठार अवस्थित है जो विश्व कासबसे प्राचीन भूखंडों में से एक है यह न केवल अपने सुदृढ़ दुर्गों के लिए बल्कि जैवविविधता व प्राकृतिक संसाधनों के लिए महत्वपूर्ण है यह विश्व के महत्वपूर्ण जीव विविधता स्थलों में भी सामिल है

प्रायद्वीपीय पठार के दोनों और तटीय प्रदेश अवस्थित है जों विश्व के बेहतरीन बीच रखता है जहां पर हमेशा पर्यटकों का तांता लगा रहता है इन सब भौतिक प्रदेशों के अलावा भारत में द्वीप समूह स्थित है जो पर्यटन केंद्रों के रूप में आदर्श भौगोलिक स्थिति रखते हैं यहां पर्यटन उद्योग के विकास के लिए सुनहरे अवसर है

भारत में पर्यटन के विकास को प्रभावित करने वाले कारक

- दर्शनीय आकर्षण स्थल
- मन भावक मौसम
- परिवहन सुविधा
- आवास सुविधा

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

- सरकारी संस्थाओं द्वारा किए प्रयास
- भोजन व पेयजल की सुविधाएं
- पर्यटकों को संरक्षण व सफाई की व्यवस्था

दर्शनीय आकर्षक स्थल -भारत में विश्व के बेहतरीन पर्यटक स्थल है जैसे गुलमर्ग, आगरा, मुंबई, जयपुर, लेह, लद्दाख, कुल्लू, मनाली, नैनीताल, दार्जिलिंग, ऊटी, गोवा आदि इन्हीं से प्रभावित होकर पर्यटक यहां घूमने आते हैं।भारत में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भारतीय पर्यटन विकास निगम ITDC की स्थापना 1966 में की गई यह संस्था पर्यटकों के लिए रहने, खाने एवं घूमने की व्यवस्था करता है।

परिवहन सुविधा -भारत में परिवहन की बेहतरीन व्यवस्था की गई है जिनसे होकर पर्यटक भारत आते हैं। भारत में विश्व के बेहतरीन हवाई अड्डे एवंबंदरगाह है जो पर्यटको को आवश्यक सुविधाएं मुहैया करवाते हैं।

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

भारत के मुख्य हवाई अड्डे जहां 2019 एवं जनवरी-मार्च 2020 के दौरान विदेशी पर्यटकों के द्वारा ई-टूरिस्ट विजा लिए गए

S.No.	Name of Airport	2019	% Share	Jan-Mar, 2020	% Share
1	Delhi Airport	1230400	42.0	304599	36.4
2	Mumbai Airport	484694	16.6	130717	15.6
3	Bangalore Airport	217549	7.4	50499	6.0
4	Chennai Airport	208155	7.1	57102	6.8
5	Dabolim Airport	171226	5.8	97533	11.6
6	Cochin Airport	105197	3.6	33831	4.0
7	Hyderabad Airport	83207	2.8	19109	2.3
8	Kolkata Airport	81983	2.8	22757	2.7
9	Tiruchirapalli Airport	55825	1.9	16960	2.0
10	Ahmedabad Airport	38930	1.3	13912	1.7
	Others	251137	8.6	90702	10.8
	Total	2928303	100.0	837721	100.0

Airport wise Tourist availing e-Tourist Visa during 2019

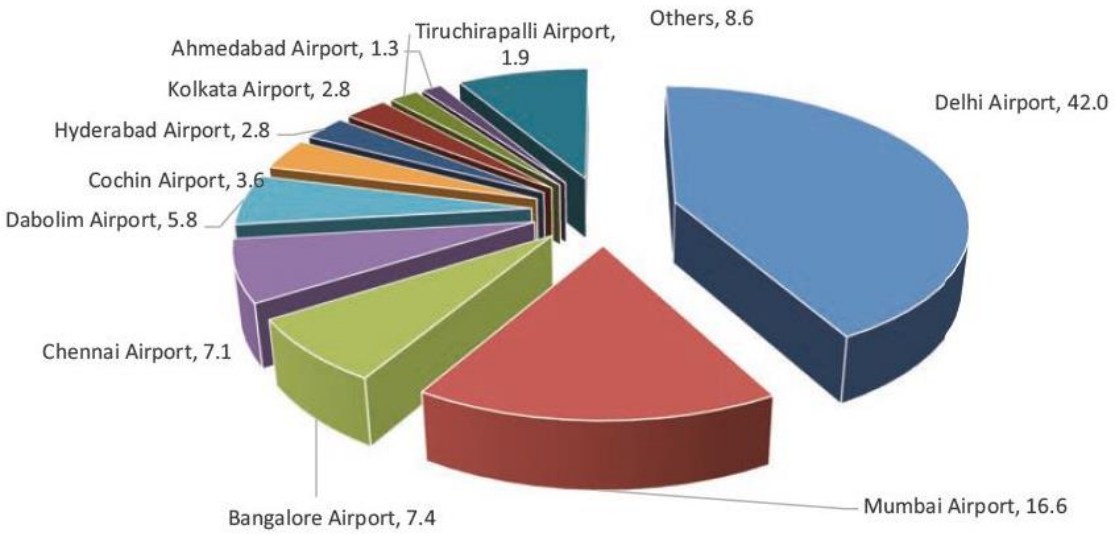

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए भारतीय रेल व पर्यटन विभाग ने विशेष पर्यटन रेलगाड़ियां प्रारंभ कर रखी हैं जैसे प्लेस ऑन व्हील्स, फेयरी क्वीन डेक्कन, ओडिसी महाराजा एक्सप्रेस, रॉयल राजस्थान ऑन व्हील्स आदि।

आवास- पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए हेरिटेज होटलों की व्यवस्था की गई है भारत के हेरिटेज होटल अजीत भवन, उमेद भवन आदि हैं।पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने लीगेसी विटेज होटलों की अवधारणा की शुरुआत की ताकि धरोहर संपत्तियों को होटलों के रूप में शामिल कर सके जो प्राचीन समय का माहौल व प्रवेश बनाने में मदद कर सके इन्हें तीन श्रेणियों में विभक्त किया गया है बेसिक, क्लासिकल एवंग्रेड

सरकारी संस्थाओं द्वारा किए प्रयास -पर्यटन ढांचे के विकास को प्राथमिकता देने के लिए स्वदेशी दर्शन योजना के अंतर्गत हैं विषय वस्तु आधारित सर्किटों को विकसित किया जा रहा है।पर्यटन को अधिक से अधिक बढ़ावा देने के लिए स्वच्छ भारत मिशन की स्थापना की गई है जहां पर 15 सितंबर से 2 अक्टूबर 2018 के मध्य सभी पर्यटक स्थलों को साफ़ स्वच्छ रखा गया।पर्यटन विभाग ने विदेशी बाजारों में ग्लोबल मीडिया मुहिम शुरू की जिसके माध्यम से भारतीय पर्यटक स्थलों को अधिक से अधिक प्रचारित किया गया

भारत सरकार ने विदेशी पर्यटकों के लिए विजय की पांच उप श्रेणियां बनाई गई बनाई है ई-पर्यटन वीजा,ई-बिजनेस वीजा,ई-मेडिकल वीजा,ई-मेडिकल सहायक ई-सम्मेलन आदि ई विजा प्रारंभ

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

किये जो 166 देशों को प्रदान किए गए।अतुल्य भारत वेबसाइट का प्रारंभ एक धरोहर गोदलो आदि महत्वपूर्ण कार्यक्रम चलाए गए।

<u>वैश्विक महामारी कोविड-19 का भारत में पर्यटन उद्योग पर प्रभाव</u>

वैश्विक महामारी कोविड-19 के कारण अर्थव्यवस्था का साहित्य कोई क्षेत्र ऐसा हो जो इस महामारी से प्रभावित ना हुआ हो। क्षेत्रों में यात्रा पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र व परिस्थिति पर्यावरण सबसे बुरी तरह प्रभावित हुए हैं।इस महामारी के चलते घरेलू और अंतरराष्ट्रीय यात्रा के प्रतिबंधित होने से पर्यटन उद्योग को हजारों करोड़ रुपए का नुकसान उठाना पड़ा है पर्यटन उद्योग के लिए यह सबसे बुरा वक्त है जिसने इस उद्योग की कमर तोड़ दी है इस महामारी से न केवल अंतरराष्ट्रीय पर्यटन उद्योग बल्कि घरेलू पर्यटन उद्योग भी प्रभावित हुआ है विदित है कि यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धा सूचकांक 2019 में भारत ने अपनी स्थिति में सुधार करते हुए 34 वां स्थान प्राप्त किया है।

महामारी से पूर्व में पर्यटन की स्थिति

विश्व आर्थिक मंच के यात्रा और पर्यटन प्रतिस्पर्धात्मक सूचकांक में भारत 2013 में 65 वें पायदान पर था 2018 में 40 में जबकि 2019 में 34 स्थान पर।

2018 की अवार्ड ट्रैवल एंड टूरिज्म काउंसलिंग की रिपोर्ट में भारत 185 देशों में से तीसरे स्थान प्राप्त किया जिसमें पिछले 7 वर्षों के प्रदर्शन पर अवलोकन किया गया इस रिपोर्ट के प्रमुख चार

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

आधार थे।

- सकल घरेलू उत्पाद में कुल योगदान
- घरेलू पर्यटन व्यय
- अंतरराष्ट्रीय पर्यटन व्यय
- पूंजी निवेश

2001 से 2019 के मध्य अप्रवासी भारतीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय पर्यटकों की स्थिति

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

Year	FTAs in India (in Million)	Percentage (%) change over previous year	NRIs arrivals in India	Percentage (%) change over previous year	International Tourist Arrivals in India (in Million)	Percentage (%) change over previous year
2001	2.54	-4.2	-	-	-	-
2002	2.38	-6.0	-	-	-	-
2003	2.73	14.3	-	-	-	-
2004	3.46	26.8	-	-	-	-
2005	3.92	13.3	-	-	-	-
2006	4.45	13.5	-	-	-	-
2007	5.08	14.3	-	-	-	-
2008	5.28	4.0	-	-	-	-
2009	5.17	-2.2	-	-	-	-
2010	5.78	11.8	-	-	-	-
2011	6.31	9.2	-	-	-	-
2012	6.58	4.3	-	-	-	-
2013	6.97	5.9	-	-	-	-
2014	7.68	10.2	5.43		13.11	
2015	8.03	4.5	5.74	5.7	13.76	5.0
2016	8.80	9.7	6.22	8.5	15.03	9.2
2017	10.04	14.0	6.77	8.8	16.81	11.8
2018	10.56	5.2	6.87	1.4	17.42	3.7
2019	10.93	3.5	6.98	1.7	17.91	2.8

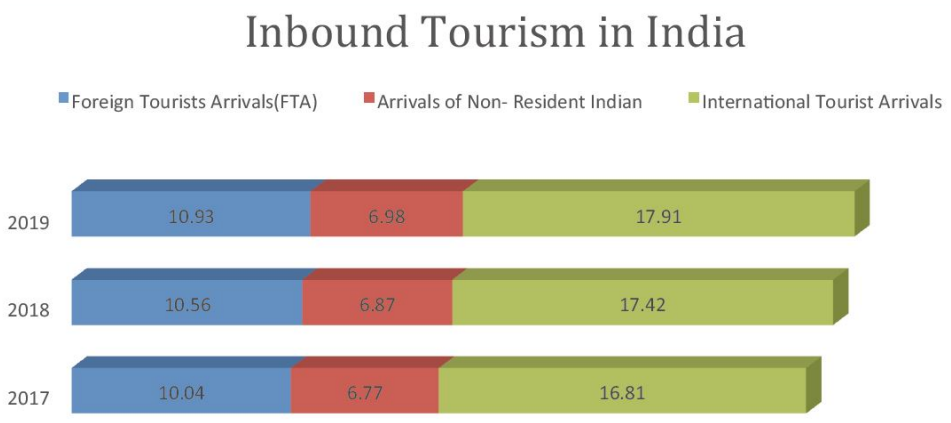

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

जनवरी 2018 से जून 2020 तक माहवार विदेशी पर्यटकों का आगमन की स्थिति

Month	Foreign Tourist Arrivals (FTAs) in India				
	2018	2019	2020 (P)	Percentage(%) Change	
				2019/18	2020/19
January	10,45,027	11,11,040	11,18,150	6.3	0.6
February	10,49,259	10,90,516	10,15,632	3.9	-6.9
March	10,21,539	9,78,236	3,28,462	-4.2	-66.4
April	7,45,033	7,74,651	0	4	-100.0
May	6,06,513	6,15,136	0	1.4	-100.0
June	6,83,935	7,26,446	0	6.2	-100.0
July	8,06,493	8,18,125		1.4	
August	7,85,993	8,00,837		1.9	
September	7,19,894	7,51,513		4.4	
October	8,90,223	9,45,017		6.2	
November	10,12,569	10,92,440		7.9	
December	11,91,498	12,26,398		2.9	
Total (Jan-June)	51,51,306	52,96,025	24,62,244	2.8 @	-53.5@
Total (Jan-Dec)	1,05,57,976	1,09,30,355		3.5	

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

Monthwise Foreign Tourist Arrivals in India during Jan 2018-June 2020

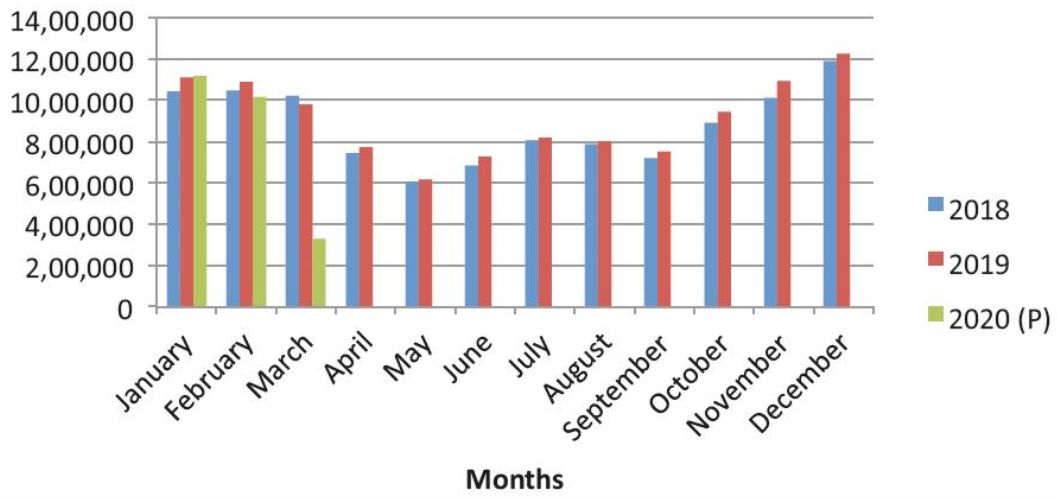

<u>विश्व में अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आगमन में भारत की भागीदारी एवं 2001 से 2019 तक एशिया तथा प्रशांत क्षेत्र की स्थिति</u>

Year	ITAs (in million)			Percentage (%) share and rank of India in World		Percentage (%) share and rank of India in Asia and the Pacific	
	World	Asia and the Pacific	India	% Share	Rank	% Share	Rank
2001	683.4	114.5	2.54	0.37	51st	2.22	12th
2002	703.2	123.4	2.38	0.34	54th	1.93	12th
2003	691.0	111.9	2.73	0.4	51st	2.44	11th
2004	762.0	143.4	3.46	0.45	44th	2.41	11th
2005	803.4	154.6	3.92	0.49	43rd	2.54	11th
2006	846.6	166	4.45	0.53	44th	2.68	11th
2007	894.0	182	5.08	0.57	41st	2.79	11th
2008	917.0	184.1	5.28	0.58	41st	2.87	11th
2009	883.0	181.1	5.17	0.59	41st	2.85	11th
2010	948.0	204.9	5.78	0.61	42nd	2.82	11th
2011	994.0	218.5	6.31	0.63	38th	2.89	9th
2012	1039.0	233.6	6.58	0.63	41st	2.82	11th
2013	1087.0	249.7	6.97	0.64	41st	2.79	11th
2014	1137.0	269.5	13.11	1.15	24th	4.86	8th
2015	1195.0	284.1	13.77	1.15	24th	4.84	7th
2016	1241.0	306.6	15.02	1.21	26th	4.90	8th
2017	1333.0	324.1	16.81	1.26	26th	5.19	7th
2018	1409.0	347.7	17.42	1.24	22nd	5.01	7th
2019 (P)	1460.0	360.7	17.91	1.23	23rd	4.97	8th

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

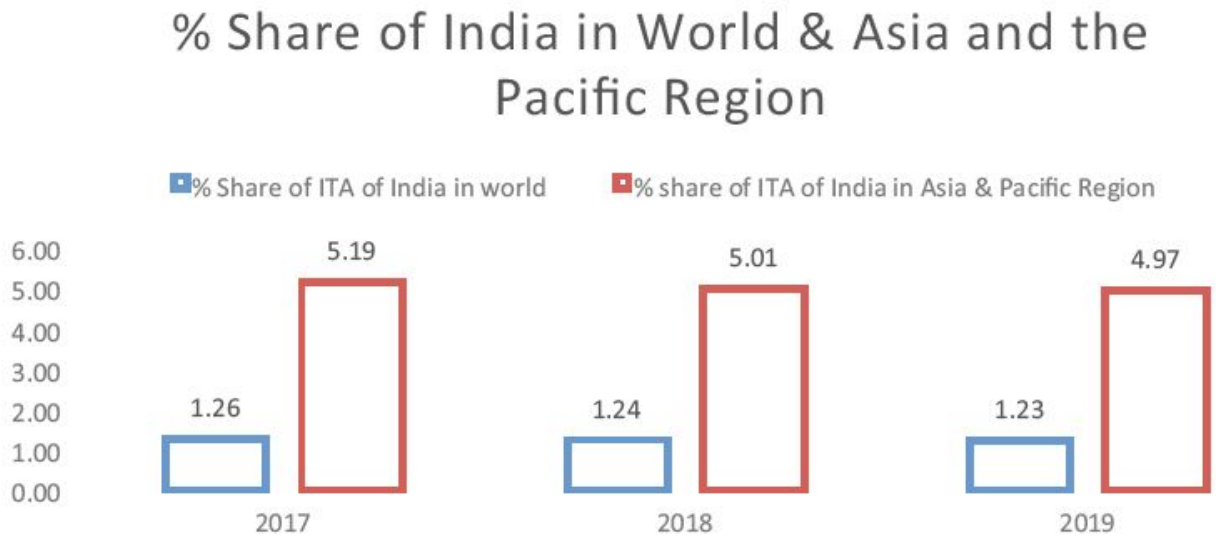

भारत में 2019 में विदेशी पर्यटकों के आगमन के लिए श्रोत के रूप में 10 मुख्य देश

S.No	Source Country	FTAs (in Million)	Percentage (%) Share
1	BANGLADESH	2577727	23.58
2	UNITED STATES	1512032	13.83
3	UNITED KINGDOM	1000292	9.15
4	AUSTRALIA	367241	3.36
5	CANADA	351859	3.22
6	China(MAIN)	339442	3.11
7	MALAYSIA	334579	3.06
8	SRI LANKA	330861	3.03
9	GERMANY	264973	2.42
10	RUSSIAN FEDERATION	251319	2.3
Total top 10 Country		7330325	67.06
Others		3600030	32.94
G.Total		10930355	100.00

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

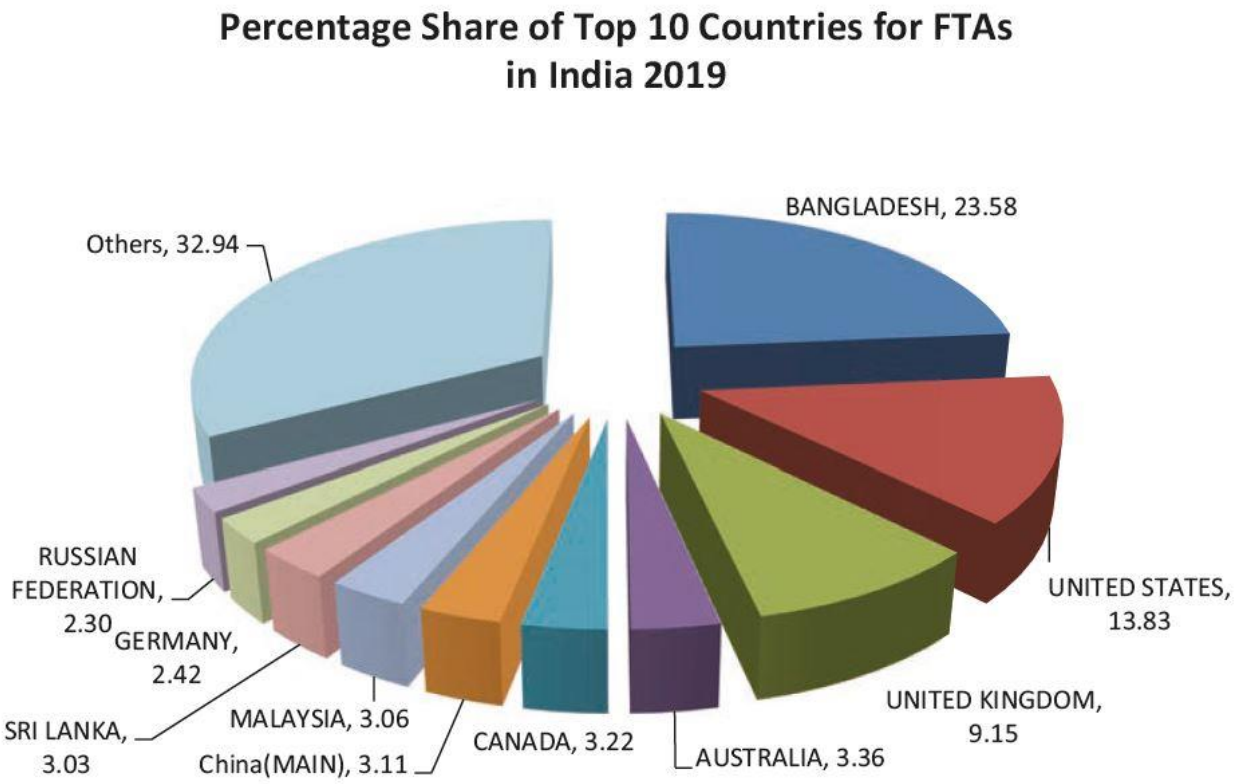

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

कोविड-19 का पर्यावरण पर प्रभाव

कोविड-19 ने जहां एक ओर दुनिया भर में कई विकट चुनौतियां पैदा की हैं, वहीं दूसरी ओर प्राकृतिक सौंदर्य के अद्भुत व जीवंत नजारे भी देखने को मिल रहे हैं। इतिहास गवाह है कि अतीत में जब-जब इस प्रकार की भयानक महामारियां आई हैं, तब-तब पर्यावरण ने सकारात्मक करवट ली है। यकीनन कोरोना संक्रमण काल में प्रकृति का यह रूप मानवीय जीवन के लिए भले ही क्षणिक राहत वाला हो, परंतु जब संक्रमण का खतरा पूरी तरह खत्म हो जाएगा, तब क्या पर्यावरण की यही स्थिति बरकरार रह पाएगी? जब सभी देशों के लिए विकास की रफ्तार को तेज करना न केवल आवश्यक होगा, बल्कि मजबूरी भी होगी, तब क्या ऐसे कदम उठाए जाएंगे जो प्रकृति को बिना क्षति पहुंचाए सतत विकास की ओर अग्रसर हो सकेंगे।

मनुष्य-प्रकृति के बीच असंतुलन का दुष्परिणाम

कई पर्यावरणविदों का मानना है कि यह वायरस मनुष्य और प्रकृति के बीच पैदा हुए प्राकृतिक असंतुलन का दुष्परिणाम है। वैज्ञानिकों का कहना है कि अत्यधिक मांस का उत्पादन, रोगाणुरोधी प्रतिरोध और बढ़ते वैश्विक तापमान जैसे कारक वन्यजनित विषाणुओं को मनुष्यों में फैलने और भयावह रूप धारण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। साथ ही जलवायु संकट विषाणु जनित रोगों से लड़ने के प्रति हमारी प्रतिरोधक क्षमता भी कम कर रही है। दरअसल, विगत कुछ दशकों से हो रहे पारिस्थितिकीय परिवर्तन, बेरोकटोक आर्थिक विकास और प्राकृतिक संसाधनों के

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

बेतहाशा दोहन ने पारिस्थितिकीय तंत्र के अनुचित तथा असंतुलित प्रयोग को बढ़ाया है।

वैश्विक महामारी के बाद पर्यावरण व पर्यटन

कोविड-19 एक संचारी रोग है जो मानव से मानव में संपर्क के द्वारा एक दूसरे में फैलता है अतः पर्यटन में सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखना एक बड़ी चुनौती है।

कोविड-19 महामारी के कारण पर्यटन से प्राप्त होने वाली विदेशी मुद्रा में कमी आएगी

पर्यटन यात्रा आधारित राज्य की आर्थिक स्थिति बहुत खराब हो सकती है जैसे तमिलनाडु, गोवा, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश के रेलवे जम्मू कश्मीर

पर्यटन के द्वारा विश्राम स्थलों जैसे होटल धर्मशाला में ठहरना सुरक्षित नहीं है

पर्यटन के दौरान सार्वजनिक परिवहन के साधनों का प्रयोग हानिकारक साबित हो सकता है

निष्कर्ष

इस महामारी के बाद जहां एक और पर्यावरण में संतुलन की स्थापना होगी तथा ग्लोबल वार्मिंग एवं अम्लीय वर्षा, अन्य पर्यावरण संतुलन बना रहेगावहीं दूसरी ओर पर्यटन को बढ़ावा देने के सरकार को स्वच्छता के विषय पर विशेष ध्यान देना होगा ताकि भारतीय विरासत स्थलों की ओर पर्यटकों को वापिस आकर्षित किया जा सके

सरकार को पर्यटन स्थलों पर स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने हेतु बेहतर स्वास्थ्य अवसर अंजना को विकसित करना चाहिए तथा पर्यटक स्थलों पर सोशल डिस्टेंसिंग को बनाए रखने के लिए

International Journal of Research in Economics and Social Sciences(IJRESS)
Available online at: http://euroasiapub.org
Vol. 11 Issue 06, June- 2021
ISSN: 2249-7382 | Impact Factor: 8.018|
(An open access scholarly, peer-reviewed, interdisciplinary, monthly, and fully refereed journal.)

मानक प्रचलन प्रक्रिया का कड़ाई से पालन करना चाहिए तथा अधिक से अधिक नवाचार लाने की कोशिश करनी चाहिए।

संदर्भ ग्रंथ सूची

- व्यास राजेश कुमार पर्यटन उद्भव एवं विकास 2010
- दुलारा के राजस्थान में पर्यटन उद्योग 2007
- भारतीय पर्यटन सांख्यिकी एक दृश्य 2018
- भारतीय पर्यटन सांख्यिकी एक दृश्य 2019
- भारतीय पर्यटन सांख्यिकी एक दृश्य 2020